सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

९वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपडगंज,

दिल्ली – ११००९२

सत्र-2026-2027

कक्षा-सातवीं विषय-हिंदी पाठ्यपुस्तक

पाठ-१२- मैं रोबोट हूँ

बोलकर

(क) रोबोट का शरीर लोहा, इस्पात और प्लास्टिक से बना होता है।

(ख) कंप्यूटर की स्मृति में वह सब संचित रहता है जो रोबोट को करना होता है।

(ग) रोबोट बिना थके और बिना खाए अनेक कार्य कर सकता है। जैसे वह बर्फीले ठंडक में, तेज गर्मी में, हर वातावरण में सभी कार्य कर सकता है। वह चल सकता है, उछल सकता है, कूद सकता है और बोझ उठा सकता है।

(घ) रोबोट मनुष्यों का सेवक इसलिए है क्योंकि वह मनुष्य के मस्तिष्क की उपज है।

लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर-

(क) रोबोट भूखा प्यासा बिना कुछ खाए पिए, सर्दी और गर्मी में बिना थके और बिना ऊबे अकेला ही काम कर सकता है।

(ख) रोबोट को कार्य करने के लिए उसके मस्तिष्क के रूप में लगा कंप्यूटर उसे आदेश देता है। उसकी स्मृति में वह सब संचित रहता है, जो रोबोट को करना होता है।

(ग) किसी भवन में आग लग जाए तो वह बिना डरे और बिना घबराए आग बुझाने के लिए उस भवन में प्रवेश कर सकता है। वहाँ आग में फँसे लोगों की जान बचा सकता है।

(घ) रोबोट की सहायता से मनुष्य के काम करने का समय कम हो जाएगा। मनुष्य घर बैठे अपने कंप्यूटर से अपनी गैर हाजिरी में रोबोट से ही सारा काम करवाता रहेगा।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर-

(क) यदि मेरे पास रोबोट हो, तो मैं उससे कई उपयोगी और रचनात्मक काम करवाऊँगा, जैसे- घर के काम, पढ़ाई में सहायता, विषय समझाना, होमवर्क में मदद करना और परीक्षा की तैयारी कराना, स्वास्थ्य की देखभाल करना, व्यायाम की याद दिलाना, दवाइयों का समय बताना और स्वास्थ्य रिकॉर्ड रखना, घर और स्कूल की सुरक्षा पर नज़र रखना, रचनात्मक कार्यों में मदद करना आदि। इस प्रकार रोबोट हमारे जीवन को सरल, सुरक्षित और अधिक प्रभावी बना सकेगा.

(ख) रोबोट आज अनेक कार्यों को तेजी और सटीकता से कर सकते हैं, लेकिन वे मनुष्य का पूर्ण स्थान नहीं ले सकते। मेरा मानना है कि रोबोट सहायक बन सकते हैं, विकल्प नहीं।

रोबोट मशीनें हैं, जिनमें भावना, संवेदना और नैतिक समझ नहीं होती। वे दया, प्रेम, करुणा, रचनात्मक सोच और मानवीय मूल्यों को महसूस नहीं कर सकते। एक शिक्षक का स्नेह, माता-पिता का अपनापन, डॉक्टर की सहानुभूति या कलाकार की कल्पना- इन सबका स्थान रोबोट नहीं ले सकता।

(ग) भविष्य में रोबोट मानव जीवन को अनेक रूपों में प्रभावित कर सकते हैं। यह प्रभाव सकारात्मक भी होगा और कुछ हद तक चुनौतीपूर्ण भी। जैसे वह घर के काम, बुजुर्गों की देखभाल, बच्चों की पढ़ाई और समय प्रबंधन में सहायता करेंगे। इससे जीवन अधिक सरल और व्यवस्थित होगा। रोबोट स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार कर सर्जरी, रोग पहचान, मरीजों की निगरानी आदि में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगे। वे कारखानों और उद्योगों में कार्यकुशलता बढ़ाएँगे। रोबोट खतरनाक स्थानों पर जाकर बचाव कार्य कर सकेंगे, जैसे आग, भूकंप या परमाणु क्षेत्रों में। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि भविष्य में रोबोट मानव जीवन को अधिक सुविधाजनक, सुरक्षित और उन्नत बनाएँगे, बशर्ते उनका उपयोग संतुलन और मानवीय मूल्यों के साथ किया जाए। रोबोट मनुष्य के सहयोगी होंगे, प्रतिस्थापन नहीं।

(घ) मनुष्य में प्रेम, दया, करुणा, खुशी और दुख जैसी भावनाएँ होती हैं। रोबोट के पास भावनाएँ नहीं होतीं, वे केवल निर्देशों के अनुसार काम करते हैं। मनुष्य में सोचने की क्षमता होती है, जबकि रोबोट प्रोग्रामिंग और डेटा के आधार पर ही निर्णय लेते हैं। मनुष्य सही-गलत का निर्णय विवेक और अनुभव से करता है, जबकि रोबोट नैतिक समझ नहीं रखते, वे बस दिए गए नियमों का पालन करते है।

पठित गद्यांश

(क) उपर्युक्त गद्यांश में 'मैं' सर्वनाम का प्रयोग रोबोट के लिए किया जा रहा है।

(ख) उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार रोबोट देख सकता है, सुन सकता है, बोल सकता है और छूकर अनुभव भी कर सकता है।

(ग) रोबोट के पास आँखें नहीं हैं, पर वह शरीर में लगे कैमरों के द्वारा देखने का कार्य करता है और शरीर में लगे माइक्रोफोन से वह सुनने का कार्य करता है।

(घ) बोलने के लिए रोबोट लाउडस्पीकर का सहारा लेता है।